बाघ वनों के लिए है

इस शानदार जीव को बचाने की भरपूर कोशिश करें।

जीव सक्रियता शिक्षण

आईफो द्वारा प्रतिवर्ष जीव शिक्षा कार्यक्रम जारी किया जाता है जिसमें जीवों और पर्यावरणीय समस्याओं पर मुख्य ध्यान दिया जाता है। नि:शुल्क शैक्षिक सामग्रियों में शामिल है: यह सूचना पैक और विषय सूची, शिक्षक की पाठ योजना तथा विद्यार्थियों की कार्यशीट, वीडीओ एक साथी तथा अंत: सक्रिय डीवीडी: कलेन्डर पोस्टर तथा जीवों के विस्तार संबंधी विचारों के लिए हस्तपुस्तिका, जिसमें व्यक्तियों, वर्गों और सामुदायिक क्रिया कलाप संयोजित हों।

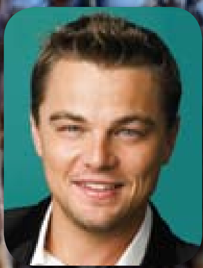

जंगली बाघ खतरे में हैं। आओ मिलकर उनकी रक्षा करें।

- लिओनार्डो डीकैपरियो।

IFAW.org
INTERNATIONAL FUND FOR ANIMAL WELFARE

Wildlife Trust of India
www.wti.org.in

अतिरिक्त कॉपी, सहयोगी संसाधन एवं विभिन्न भाषा के लिए अनलाइन पर डाउललोड करें www.wti.org.in

विषय सूची

3. विषय पृष्ठ
   3. जंगल के लिए पैदा हुये हैं/बाघ क्यों जरूरी हैं?
   4. बाघ खतरे में हैं।
   5. मुख्य देश : भारत
   6. मुख्य देश : चीन
7. पाठ योजना
   7. पाठ 1. वीडीओ देखना/विषय पृष्ठों को पढ़ना
   8. पाठ 2. बाघ के लिए खाद्य वितान वनाना
   9. पाठ 3. खतरों की पहचान और प्रतिउत्तर
   10. पाठ 4. बाघ फार्मों पर बहस
11. समाचार लेखः चीन में बाघ फार्मो पर आग लगाई
12. वर्कशीट 1. पढ़ना/गाईड देखना
13. वर्कशीट 2. खतरे और प्रतिउत्तर का चार्ट
14. विश्व में अन्य बड़ी विल्लियाँ
15. वर्कशीट 3. बड़ी बिल्लियों की तुलना
16. ग्लॉसरी

सीखने के उद्देश्य

इस कार्यक्रम के पाठों का उद्देश्य विज्ञान, सामाजिक अध्ययन तथा भाषा कौशल को सीखना है। अन्य कार्यक्रमों में विद्यार्थी, जीवन विज्ञान की अवधारणाओं और शब्द–ज्ञान, अभ्यास उद्देश्यपूर्ण पाठन तथा व्यापक रणनीति के बारे में सीखेंगे। इसके अलावा इन विचारों और लेखों के आधार पर वाद–विवाद करेंगे।

कम्पेनियन सीडी

शैक्षिक वीडीओ करीब 15 मिनट का और सामान्यतः युवा दर्शकों के लिए होता है, डीवीडी में सभी कार्यक्रम सामग्रियों और सहायक संसाधनों का समावेश होता है।

ऑन लाईन संदर्भ

- फन एनीमल एक्टीविटीज, फैक्ट शीट्स फोटो तथा अधिक जानकारी के लिए:
  www.ifaw.org/education and **www.wti.org.in**
- IUCN Cats Specialist Group: **http://www.catsg.org/catsgportal/20_catsg-website/home/index_en.htm**
- Global Tiger Initiative: **http://www.globaltigerinitiative.org/**
- International Tiger Coalition: **http://www.endtigertrade.org/**
- Global Tiger Forum: **http://www.globaltiger.org/**

आईफो/डब्ल्यू टी आई के बारे में

आईफो अभियान चलाने वाली एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था है जिसकी स्थापना कनाडा में 35 साल से भी पहले हुई थी, इसका लक्ष्य है वन्य और घरेलू जीवों के कल्याण में उनके कारोबारी शोषण को घटा कर, वन्य जीव पर्यावरणों को बचा कर और संकट में फंसे जानवरों की मदद करके उनकी स्थिति को और बेहतर बनाना। आई एफ ए डब्ल्यू ये जानती है कि लोगों और जानवरों के भाग्य आपस में करीब से जुड़े हुए हैं, इसीलिए वह जानवरों के कल्याण और संरक्षण संबंधी नीतियों को बढ़ावा देना चाहती है ताकि जानवरों और लोगों, दोनों की ही बेहतरी हो सके। इस संस्था के दुनिया भर में 16 देशों में कार्यालय हैं और 20 लाख समर्थक हैं।

वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (डब्ल्यू टी आई) गैर मुनाफे वाला एक ऐसा संगठन है जो वन्य जीवों के संरक्षण के लिए तुरंत कार्यवाई करता है और भारत के वन्य जीवों की तबाही को रोकता है। इसकी प्रमुख प्राथमिकताएं हैं संकट प्रबंधन और उन क्षेत्रों के लिए त्वरित और कार्यकुशल मदद जुटाना जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। ये संस्था लंबी अवधि में सक्रिय परिवर्तनों के जरिये एक ऐसा वातावरण बनाना चाहती है जो भारत के वन्य जीवों और उनके वास स्थलों को बचाने में सहायक हो।

आईफो और डब्ल्यू टी आई ने भारत में वन्य जीवों के संरक्षण और कल्याण के मकसद को मजबूत बनाने के लिए सन् 2000 में एक साझेदारी गठित की। ये दोनों संगठन विलुप्तता का खतरा झेल रहे कई जीवों को लेकर चिंतित हैं। इस गठजोड़ के जरिये आईफो और डब्ल्यू टी आई ऐसी रणनीतियां विकसित कर रहे हैं ताकि भारत और उसके आसपास के क्षेत्रों में वन्य जीवों के सामने जो खतरे मौजूद हैं उनका समाधान निकाला जा सके।

Wildlife Trust of India

IFAW.org INTERNATIONAL FUND FOR ANIMAL WELFARE

बी–13, द्वितीय मंजिल, सेक्टर 6, नोएडा – 201301, उत्तरप्रदेश, भारत
दूरभाषः +91 120 4143900 फैक्सः +91 120 4143900
इमेलः john@wti.org.in वेबसाइटः www.wti.org.in

© IFAW/WTI/A. Mookerjee

इस कार्यक्रम का उपयोग कैसे करें

जंगल के लिए पैदा हुआ : 'लिविंग द मैजेस्टिक टाइगर' का उद्देश्य, विद्यार्थियों को वनीय बाघ के अभिलक्षणों, उनकी जीवितता पर मंडराते खतरों और विश्व भर में बाघों तथा उनके प्राकृतिक वासों को बचाने हेतु किये जा रहे किया–कलापों के बारे में जानकारी देना है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को उनकी आयु के अनुसार शिक्षा देना और पाठ योजना तैयार करना शामिल है। अनुपूरक सूचनाएं डीवीडी या ऑन लाईन (www.wti.org.in एवं ifaw.org/education) में दी गई है। सामग्री का उपयोग इस प्रकार करें:–

1. पाठ 1. का परिचय, कम्पेनियन सीडी

वीडीओ दिखाने से पहले पाठ की पृष्ठभूमि बनाने के लिए अध्यापक द्वारा मामूली विचार–विमर्श तथा बाघ के बारे में अरंभिक जानकारियां।

2. पाठ 1. के बारे में वर्तमान ज्ञान का विकास, कम्पेनियन सीडी, वर्कशीट 1 तथा 3

वीडीओ देखने पर विद्यार्थी अपने विचार रिकार्ड करने के लिए ग्राफिक आर्गेनाइजर का प्रयोग करें, मुख्य विन्दुओं को नोट करें। मुख्य शब्दावली तथा प्रश्नों पर ध्यान दें। तत्पश्चात् वर्गों में बैठकर विचार–वमर्श करें। कार्यक्रम के बाद ग्राफिक आर्गेनाइजर पर वापस आ जांय और वीडीओ को एक बार फिर से देखें। संक्षिप्त वीडीओ क्विज भी किया जा सकता है।

3. पाठ 1, पृष्ठों में अंकित विषय को पढ़ें, वर्कशीट–1

अध्यापक, पाठ 1 में दी गई बातों पर ध्यान दिलायें ताकि विद्यार्थी अपनी योग्यतानुसार पढ़ सकें। पढ़ने के दौरान दिशा–निर्देश के लिए ग्राफिक आर्गेनाइजर का उपयोग करें।

4. चयनित पाठ किया–कलापों तथा वर्कशीट का उपयोग करें, पाठ 2–4

विषय पृष्ठ 3–7, न्यूज आर्टीकल्स, वर्कशीट 2–3 (ऐच्छिक) शिक्षक द्वारा विषय संबंधी पृष्ठों को पढ़ने के बाद विद्यार्थियों की सूझबूझ का समेकन करना चाहिए। पाठ 2 में वैज्ञानिक अवधारणाओं पर ध्यान केन्द्रित किया गया है जिन पर पाठ 3 तथा 4 में विचार किया गया है। पाठ 3 में विद्यार्थियों को मुख्य खतरों से अवगत कराया गया है और संरक्षण किया–कलापों के बारे में पृष्ठ 5–7 में बताया गया है। वर्क शीट 4 में विद्यार्थियों को बाघों के लिए फार्म बनाने के विषय पर वाद–विवाद हेतु मुख्य विन्दुओं से अवगत कराया गया है। विषयेत्तर सामग्री तथा बड़ी बिल्लियों की तुलना पर वर्कशीट भी शामिल की गई है।

5. समेकित अध्ययन, कम्पेनियन सीडी, ग्रेफिक आर्गेनाइजर

पहली वार पूर्ण ग्रैफिक आर्गेनाइजर देखने के बाद विद्यार्थी, कार्यक्रम के आरंभ से अन्त तक, संबंधित विषय के बारे में अपनी सूझबूझ की तुलना करें।

6. कार्रवाई करें (पाठ कार्रवाई पुस्तिका)

पाठों में वर्णित कार्रवाई के अतिरिक्त विद्यार्थियों को वनीय बाघ से संबंधित समस्याओं पर कार्य करने के लिए अनुपूरक पृष्ठ मुहैया कराये गये हैं।

अनौपचारिक शिक्षकों के लिए सलाह

इस शैक्षिक पैक में दी गई सामग्री के विकल्प के रूप में आप निम्नानुसार सामग्री चयन कर सकते हैं।

1. कम्पेनियन वीडीयो देखें।
2. संक्षिप्त वीडीओ क्विज आयोजित करें।
3. युवा बाघ किया–कलाप शीट से सकारात्मक किया कलाप अपनाकर विषय को रोचक बनायें।
4. कार्रवाई पृष्ठों के अनुसार ग्रुप के किया–कलाप तय करें।

क्रिया–कलापों के आधारिक नियम

दृढ विचारों या संकल्पनाओं के विकसित होने से पहले अधिकांश शिक्षक और विद्यार्थी अपनी कक्षाओं में आधरिक नियमों को विकसित करना चाहेंगे ताकि विभिन्न विचारों के प्रति सकारात्मक सोच, आदर तथा संवेदनशीलता विकसित की जा सके।

कक्षा को दो वर्गों में बांट दें और निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देने को कहें। "जब मैं अपने विचार रखता हूँ तो लोग कैसा व्यवहार करते हैं, जिससे मेरा विश्वास बढ़ जाता है और मैं अपने विचारों को दृढ़तापूर्वक रखने में सफल हो जाता हूँ।"

वर्गों को छः के वर्ग में बांट दें और उनके विचारों पर ध्यान दें। उन बातों/विचारों की सूची बनाने को कहें, जिनसे सभी छः विद्यार्थी सहमत हों। इनमें शामिल हो सकते हैं। :

1. वे मेरी बात ध्यान से सुनते हैं।
2. वे मेरी बात पर हंसते नहीं हैं।
3. मैं अन्य लोगों के बारे में जो कहता हूँ उस पर वे चिल्लाते नहीं हैं।

पूरी कक्षा को एक करें और उनसे अपनी–अपनी सूची दिखाने को कहें–एक समय में एक व्यवहार। सूझबूझ का जायजा लें और पूरी कक्षा की सहमति पर ध्यान दें। उन बातों को लिखें जिनसे प्रत्येक विद्याथी सहमत हो और समझता हो। व्यापक अवाधारणाओं की बजाय अवलोकन योग्य व्यवहार का संचालन करें। वर्ग के भीतर अपनी कार्रवाई के प्रति उत्तरदायी बनाने हेतु सूची को प्रस्तुत करें।

अनुवादक : एस. एस. रावत/सुदिप्तो चटर्जी

© IFAW 2010 • Front cover images: © IFAW/WTI/A. Mookerjee; © Digitalvision

बाघ वनों के लिए है

बाघ इस पृथ्वी पर अत्यंत आक्रामक और विशिष्ट जीव हैं। बाघ सभी बिल्लियों में बड़े हैं और वनीय परिस्थितियों में जीवित रहने के लिए अनुकूलतम हैं। अंगुलियों के निशानों की तरह इनकी काली धारियां वैविध्यपूर्ण होती हैं। ये धारियां बाघों को घास भूमियों में छिपने में सहायक होती हैं जहां अधिक संख्या में जंगली बाघ रहते हैं। फर का बिना धारियों वाला भाग हल्का लाल–नारंगी रंग का होता है। यदि इसे साफ कर दिया जाय तो बाघ की खाल पर केवल काली धारियां रह जायेगी।

कई संस्कृतियों में बाघ को उसकी सुन्दरता, चमक–दमक, भाग्य और शक्ति के लिए आदर के साथ देखा जाता है। भारत तथा पूरे एशिया में कई गुफाओं, मंदिरों और विश्राम स्थलों में पत्थरों पर बाघ की आकृतियों को उकेरा गया है। चीन के जोडिएक में बाघ को बारह जीवों में स्थान दिया गया है।

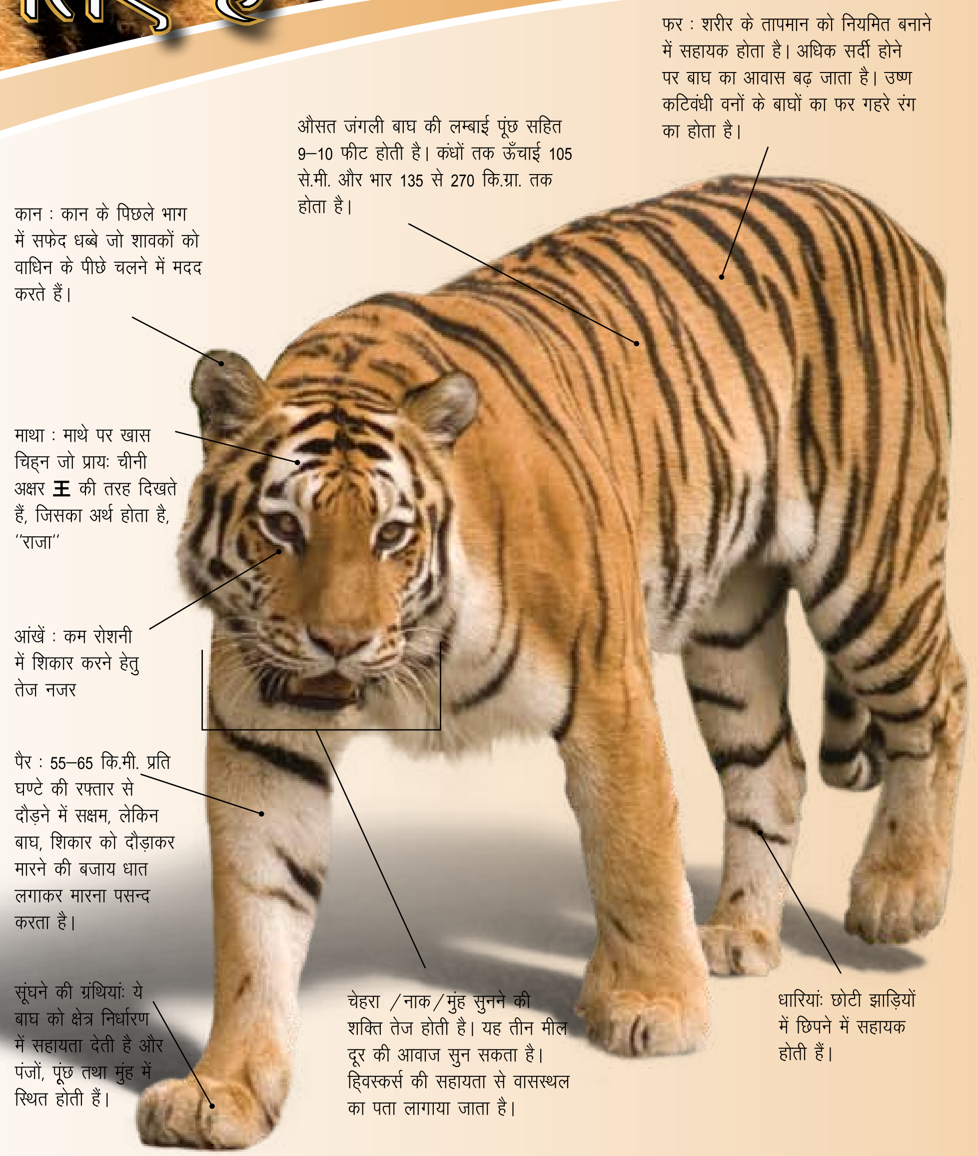

© Emy Smith Photography/Photographers Direct

वयस्क बाधिन के साथ प्रायः दो या तीन शावक होते हैं। जो दो वर्ष या कुछ अधिक समय तक मां की साथ रहते हैं। प्रजनक् जोड़े और शावकों वाली बाधिन के अलावा बाघ अकेले रहना पसन्द करते हैं। जंगली बाघ की जीवन अवधि 10–15 साल होती है।

बाघ क्यों जरूरी है

सीधी सी बात है, बाघ का अस्तित्व है इसलिए बाघ आवश्यक है। बाघ, पृथ्वी की समृद्ध जैवविविधता में महत्वपूर्ण है। उच्च कोटि के परभक्षी होने के कारण बाघ प्रजातियों का शिकार करते हैं और जिस पारिपद्धति में रहते हैं, उसका संतुलन कायम रखते हैं। इसलिए बाघ को मुख्य प्रजाति माना जाता है। यदि बाघ लुप्त हो जाते हैं तो पारिपद्धति में नकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे। इसका अर्थ हुआ कि बाघ की रक्षा करने से अन्य प्राणियों की रक्षा भी होगी।

वनों में केवल कुछ हजार बाघ ही बचे हैं किन्तु ये शानदार और पारिपद्धति के लिए महत्वपूर्ण जीव पृथ्वी से तेजी से लुप्त हो रहे हैं।

किसी समय एशिया में बाघ की आठ उप प्रजातियां* विचरण करती थी जिन्होंने रूस और सुदूर पूर्व की शीत काष्ठ भूमियों, विभिन्न घास भूमियों, भारत के वनों तथा इन्होनेशिया के उष्ण कटिबंधी वनों के वैविध्यपूर्ण वासस्थलों के अनुरूप अपने आप को ढाल लिया था। बाघ अब अपनी मूल परिधि के विखरे हुये भूखंडों में रहते हैं।

बाघ के वासस्थलों के तीन मुख्य घटक होने चाहिए: अच्छादन के लिए वानस्पतिक सघनता, पानी तक पहुंच तथा आहार के लिए बड़े आकार के खुरदार जन्तु।

बाघों के आहार में विभिन्न प्रकार के हिरण और जंगली सुअर मुख्य हैं, किन्तु बाघ पक्षियों, बंदरों, सरीसृपों, मछलियों और युवा हाथियों और गैंडों का आहार भी करता है।

* वैज्ञानिकों ने परम्परागत रूप से बाघ की आठ उप प्रजातियां रिपोर्ट की है। एक वैकल्पिक वर्गीकरण पद्धति के अनुसार कुल बाघ की नौ प्रजातियां थी।

IFAW.org INTERNATIONAL FUND FOR ANIMAL WELFARE

Wildlife Trust of India

बाघ खतरे में है

बीसवीं शताब्दी में बाघ की तीन प्रजातियां विलुप्त हो गईः मध्य एशिया से कैस्पियन बाघ तथा इन्डोनेशिया से बाली व जेवान बाघ । दक्षिणी चीन का बाघ भी जंगलों से विलुप्त है। बाघ की प्रजातियां बची हुई हैं (आमुर, बंगाल, इन्डोचाईनीज तथा सुमात्रायी) वे भी संकटापन्न हैं, और कुछ बुरी तरह से खतरे में हैं। अनुसंधानकर्ताओं का आंकलन है कि वनों में केवल 3,000 बाघ ही बचे है– अधिकांशतः बंगाल टाईगर्स। बाघों के लिए खतरा कई कारणों से हैं, पहला कारण है – मानव आवादी के बढ़ने से उनके वासस्थलों का तीव्रता से ह्रास होना। चूंकि वनीय भूमियाँ, मकानों, सड़कों, फार्मों तथा लॉगिंग संक्रियाओं में तब्दील हो रही है इसलिए बाघों को छोटे 'टापुओं' वाले वासस्थलों में रहना पड़ रहा है, जिनमें दूसरे वनों तक जाने के लिए परिच्छेद भी नहीं है। इस प्रक्रिया को वासस्थल विखंडन कहते हैं जिसके कारण जीवन क्षमता कठिनाई में पड़ जाती है और विलुप्तीकरण हो जाता है।

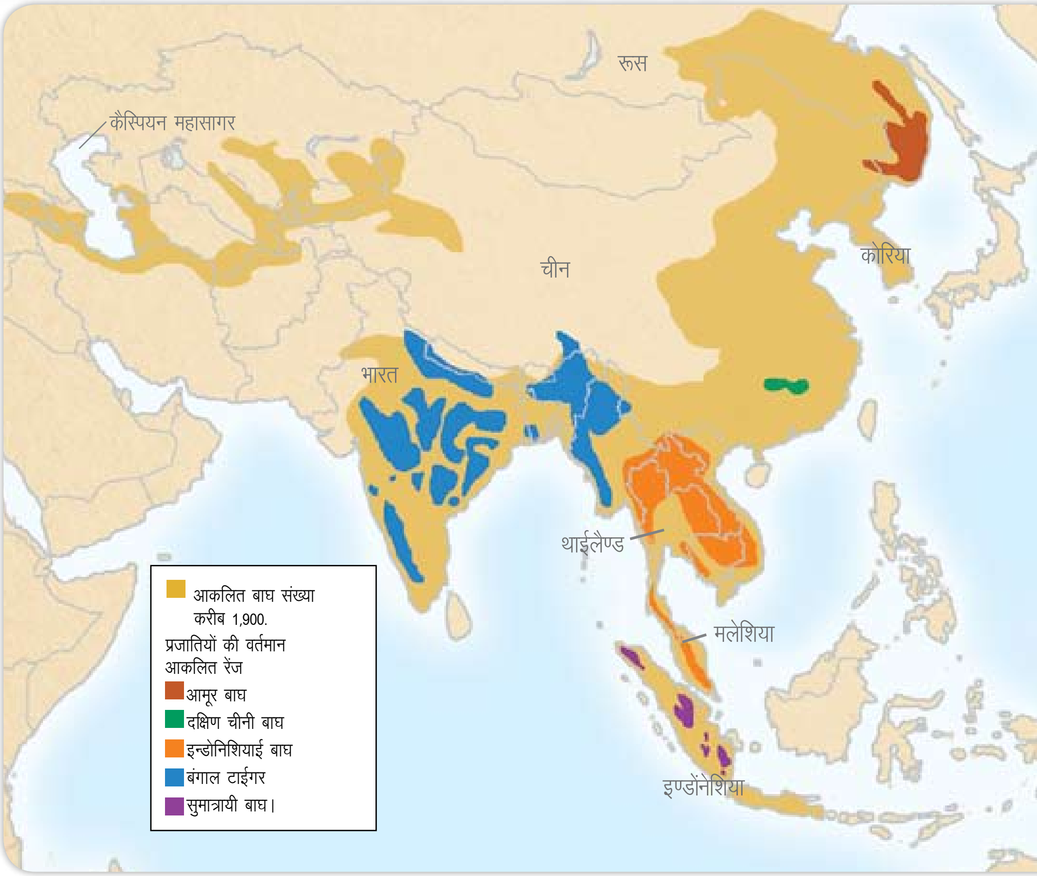

वनीय बाघों पर दूसरा खतरा वासस्थलों और आसपास के क्षेत्रों में उनकी शिकार प्रजातियों में कमी आने से है। आहार न मिलने के कारण बाघ, पालतू पशुओं का शिकार करने के लिए गांवों के आसपास भटकने लगते हैं। यह अन्तः किया लोगों और बाघों के लिए कष्टदायी होती है। वनीय बाघों के लिए सबसे अधिक खतरा उनके अंगों के व्यापार के कारण है। बाघों का चोर–शिकार किया जाता है– अवैध रूप से गोली मारी जाती है, फंसाया जाता है और जहर दिया जाता है –क्योंकि कुछ लोग बाघ की हड्डियों, खालों, मांस और शरीर के अन्य अंगों के ऊँचे दाम देते हैं।

© Photolibrary

कई संस्कृतियों में बाघ शक्ति और साहस का प्रतीक है। बाघ की इन्हीं विशेषताओं तथा वन्यजीव व्यापार के कारण इसे लक्ष्य बनाया जाता है। आईफो द्वारा वनीय बाघों की घटती आवादी को चोर–शिकार, अवैध व्यापार तथा वासस्थल अपक्षय से बचाया जाता है। बाघिन से बिछुड़े बच्चों को भी बचाया जाता है और उन्हें जीने का अवसर देते हुये जंगल में छोड़ दिया जाता है।

© IFAW

बंदीकरण में बाघ

जबकि दुनिया में केवल 3,000 के करीब बाघ जंगल में होंगे, उनके अलावा विश्व में हजारों बाघों को बंदी स्थितियों में रखा गया है। चीन के कुछ बड़े बाघ फार्मों में करीब 6,000 बाघ रखे गये हैं जहां बाघ के अंगों और उत्पादों के व्यापार के लिए बाघों का प्रजनन कराया जाता है (देखें पृष्ठ 6) । यू एस में 5,000 से 10,000 के बीच बंदीकृत बाघ हैं। अधिकांश का स्वामित्व निजी हाथों में है और ये बाघ प्रायः फटेहाल और शोचनीय स्थितियों में प्रजनन स्थितियों में सड़कों के किनारे, गलियों के पृष्ठ भाग में, सरकस के पिंजरों में और निजी घरों में देखे जा सकते हैं। कई बाघों को छोटी उम्र में खरीदकर पाला जाता है, लेकिन ये शावक लम्बे समय तक एक ही जगह में नहीं रहते हैं। कुछ ही सालों में वे आक्रामक हो जाते हैं और मालिक उनकी आवश्यकतापूर्ति नहीं कर पाता है। इन्हें जंगल में छोड़ना भी संभव नहीं होता क्योंकि ये जंगल में जीने की कला से अनभिज्ञ होते हैं।

IFAW.org INTERNATIONAL FUND FOR ANIMAL WELFARE
Wildlife Trust of India

भारत के विशेष संदर्भ में

भारत में विश्व के किसी भी स्थान से अधिक जंगली बाघ रहते हैं। बीसवीं शताब्दी के आरंभ में भारत में करीब 40,000 बाघ थे। बीसवी शताब्दी के दो तिहाई वर्षों में बाघों की संख्या में तेजी से कमी आई जिसका मुख्य कारण शौक के लिए बाघ का शिकार करना था। वर्ष 2009 में देश में केवल 1,411 बाघ रह गये हैं।

भारत में बाघ का शिकार करने पर वर्ष 1970 में रोक लगा दी गई थी और दो साल बाद वन्यजीव रक्षण अधिनियम पास कर दिया गया। वर्ष 1973 में भारत सरकार ने बचे–खुचे बाघों को बचाने के लिए बाघ परियोजना की शुरूआत की जिसके तहत शीघ्र नौ वन क्षेत्रों को बाघ रिजर्व के रूप में स्थापित किया गया। प्रत्येक रिजर्व का एक मुख्य क्षेत्र था जिसे मानवीय हलचल से अलग रखा गया। भूमि प्रबंधकों ने यथासंभव क्षतिग्रसत वासस्थलों की मरम्मत की ताकि वे अपनी पहले वाली स्थिति में आ सकें। वर्ष 2009 तक भारत में बाघ रिजर्वों की संख्या बढ़कर 37 हो गई।

उपयुक्त वासस्थल के अतिरिक्त जंगली बाघों को जीने और वंश वृद्धि के लिए चोर–शिकार से रक्षण की आवश्यकता है। क्योंकि कुछ रिजर्वों में बाघ का चोर–शिकार एक समस्या रही है। इसलिए अब हजारों वन्यजीव रक्षक, बाघ को चोर शिकारियों से बचाने में लगे हैं। भारतीय सीमाओं पर बाघ के अंगों की तस्करी रोकने के लिए चौकसी बरती जा रही है।

संरक्षण के मामलों में बाघ परियोजनाओं को स्थानीय समर्थन भी मिला है और बाघ के वासस्थलों की रक्षा के साथ–साथ मानवीय वासस्थलों की सुरक्षा भी की गई है। इन प्रयासों से अपरदन कम हुआ है। पारिपद्धति सुदृढ़ हुई है और सुरुचिपूर्ण भूमि प्रबंधन को बढ़ावा मिला है। भारत में बाघ संरक्षण के प्रदर्शन से पता चलता है कि जो बाघ के लिए अच्छा है वह सभी के लिए अच्छा है।

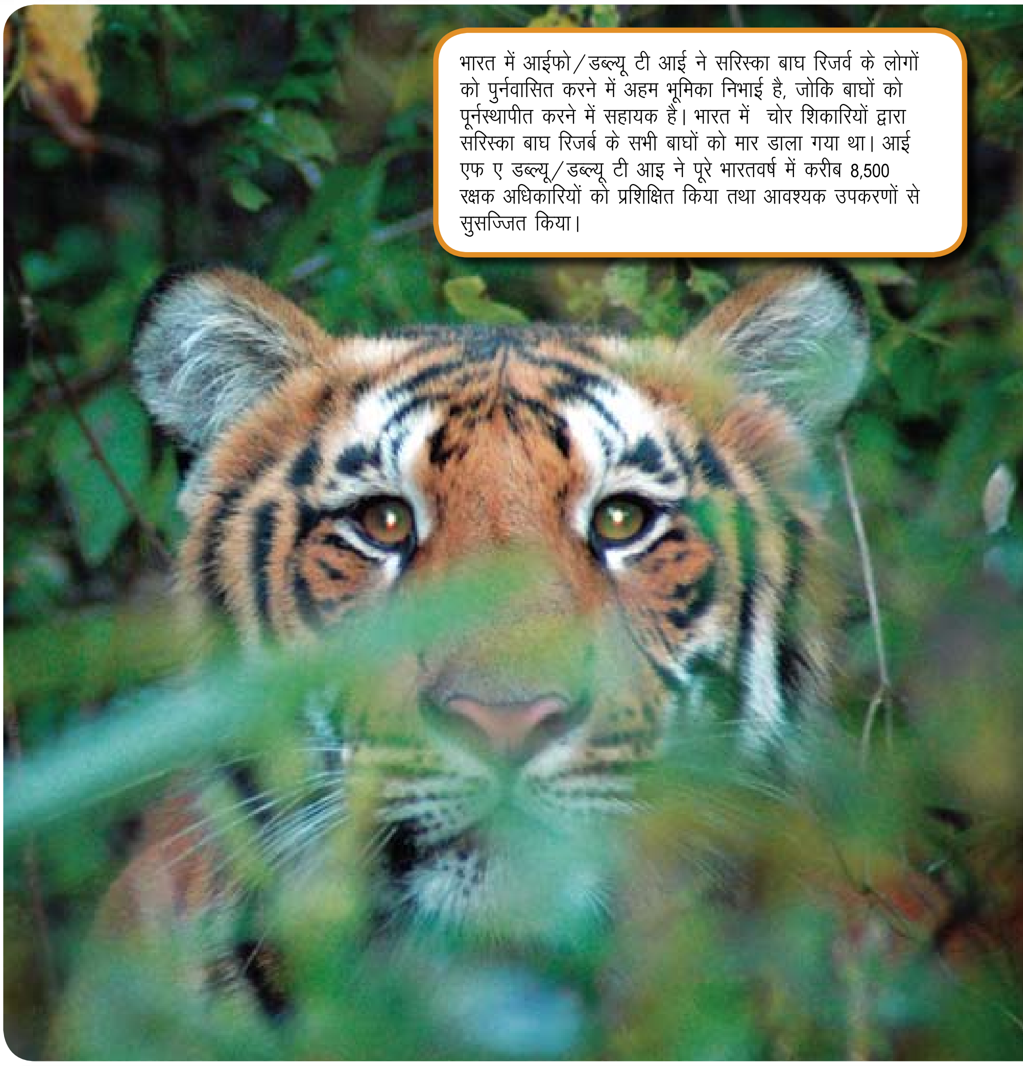

© IFAW-WTI/V. Menon

भारत में आईफो/डब्ल्यू टी आई ने सरिस्का बाघ रिजर्व के लोगों को पुर्नवासित करने में अहम भूमिका निभाई है, जोकि बाघों को पूर्नस्थापीत करने में सहायक है। भारत में चोर शिकारियों द्वारा सरिस्का बाघ रिजर्व के सभी बाघों को मार डाला गया था। आई एफ ए डब्ल्यू/डब्ल्यू टी आइ ने पूरे भारतवर्ष में करीब 8,500 रक्षक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया तथा आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित किया।

जलवायु परिवर्तन

जलवायु परिवर्तन से बाघ के बचे–खुचे वर्गों के वासस्थलों को खतरा हो रहा है। अधिक बर्फ पिघलने और अन्य कारकों से समुद्र का जल स्तर बढ़ने से सुन्दरवन के कछारी वनों को खतरा हो गया है। इस तटीय क्षेत्र में भारत और बंगलादेश की सीमायें मिलती हैं। अनुसंधानकर्ताओं का अनुमान है कि यदि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को तुरन्त सीमित न किया गया तो आने वाले 50 से 90 वर्षों के बीच यहां के बाघों के 96 प्रतिशत वासस्थल लुप्त हो जायेंगे और पर्याप्त वासस्थलों के बिना बाघ भी विलुप्त हो जायेंगे।

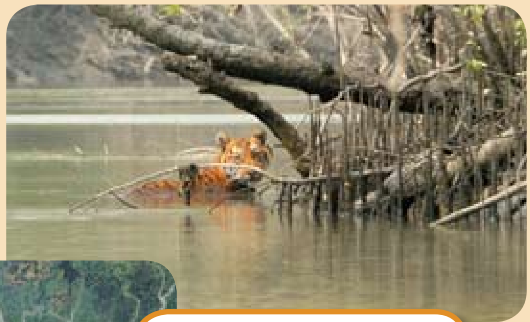

www.babakoto.eu

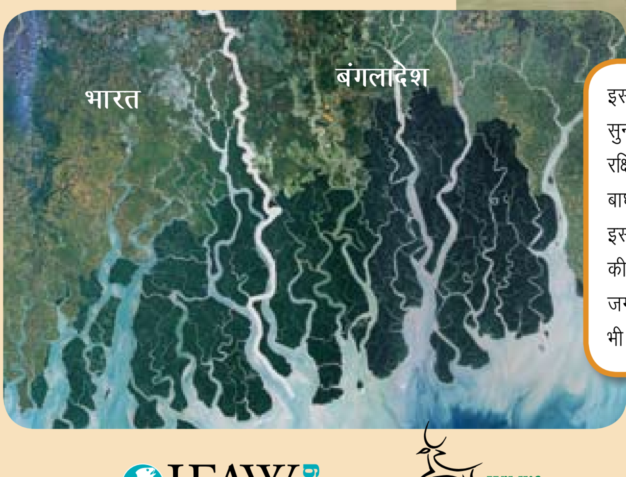

satellite image © NASA Earth's Observatory

इस सेटेलाईट इमेज पर गहरा हरा क्षेत्र, सुन्दरवनों को प्रदर्शित करता है, जो रक्षित कछारी वन क्षेत्र पद्धति है, और बाघ के वासस्थलों के लिए महत्वपूर्ण है। इस रक्षित क्षेत्र के चारों ओर हल्के रंग की कृषि भूमियां दिखाई गई हैं। जो कई जगहों पर समुद्र तल से एक मीटर से भी कम ऊँचाई पर हैं।

IFAW.org INTERNATIONAL FUND FOR ANIMAL WELFARE

Wildlife Trust of India

चीन के विशेष संदर्भ में

चीन की भूमियां बाघों के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि दक्षिणी चीन की बाघ उपप्रजाति सबसे पहले की होगी जो चीन में दो मिलियन वर्ष पहले से पाई जाती है। हाल ही में लगभग आधी शताब्दी पहले इस देश में बाघ की चार उप प्रजातियां थी और हजारों जंगली बाघ विचरण करते थे।

बाघ के मामले में चीन आधुनिक विरोधाभास का केन्द्र है– यहां बड़ी संख्या में बाघों को फार्मों में पाला जाता है और उनके अंगों का व्यापार करने हेतु प्रजनन् कराया जाता है। चीन में इस समय 50 से भी कम जंगली बाघ बचे हैं जबकि बाघ फार्मों में 6,000 से भी अधिक बंदीकृत बाघ मौजूद हैं। बाघ की हड्डियों से शराब बनाने, स्वास्थ्य लाभ तथा अन्य उद्येश्यों के लिए बाघों का प्रजनन् करवाकर उनकी संख्या बढ़ायी जाती है।

बाघ फार्मों में उनके रहने की स्थितियां कठोर हैं। बाघ बड़े भू–भाग में विचरण करते हैं, किन्तु फार्मों में उन्हें छोटे पिंजड़ों में रखा जाता है। वनों में शावक तीन साल तक बाघिन के साथ रहते हैं किन्तु फार्मों में उन्हें तीन महीने बाद ही अलग कर दिया जाता है ताकि बाघिन फार्म में बाघों की संख्या वृद्धि के लिए और अधिक बच्चे पैदा कर सके।

चीन में 1993 से बाघ के अंगों को बेचने और खरीदने पर प्रतिबंध है और विश्व के अधिकांश देशों ने बाघ को बचाने के उद्येश्य से इनके अंगों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के विरोध में हस्ताक्षर किये हैं। लेकिन बाघ के फार्मों में बाघ के अंगों की मांग बढ़ती जा रही है जबकि अंगों को खरीदना और बेचना गैरकानूनी है। यह समस्या फार्म के बाघों के लिए ही नहीं बल्कि जंगली बाघों के लिए भी है क्योंकि बाघ के अंगों का उपयोग करने वाले फार्म के बाघों की बजाय जंगली बाघों के अंग पसन्द करते हैं। उनका मानना है कि जंगली बाघ, फार्म के बाघों से अधिक शक्तिशाली होते हैं। काला बाजार में एक जंगली बाघ के अंग £30,000 में बिकते हैं। जिसके फलस्वरूप अवैध शिकार में अधिक लाभ होता है।

फिर भी, संरक्षक वर्ग, कानून को शक्तिशाली बनाने और कानून को लागू करने पर जोर दे रहे हैं ताकि बाघ के अंगों की मांग कम हो सके।

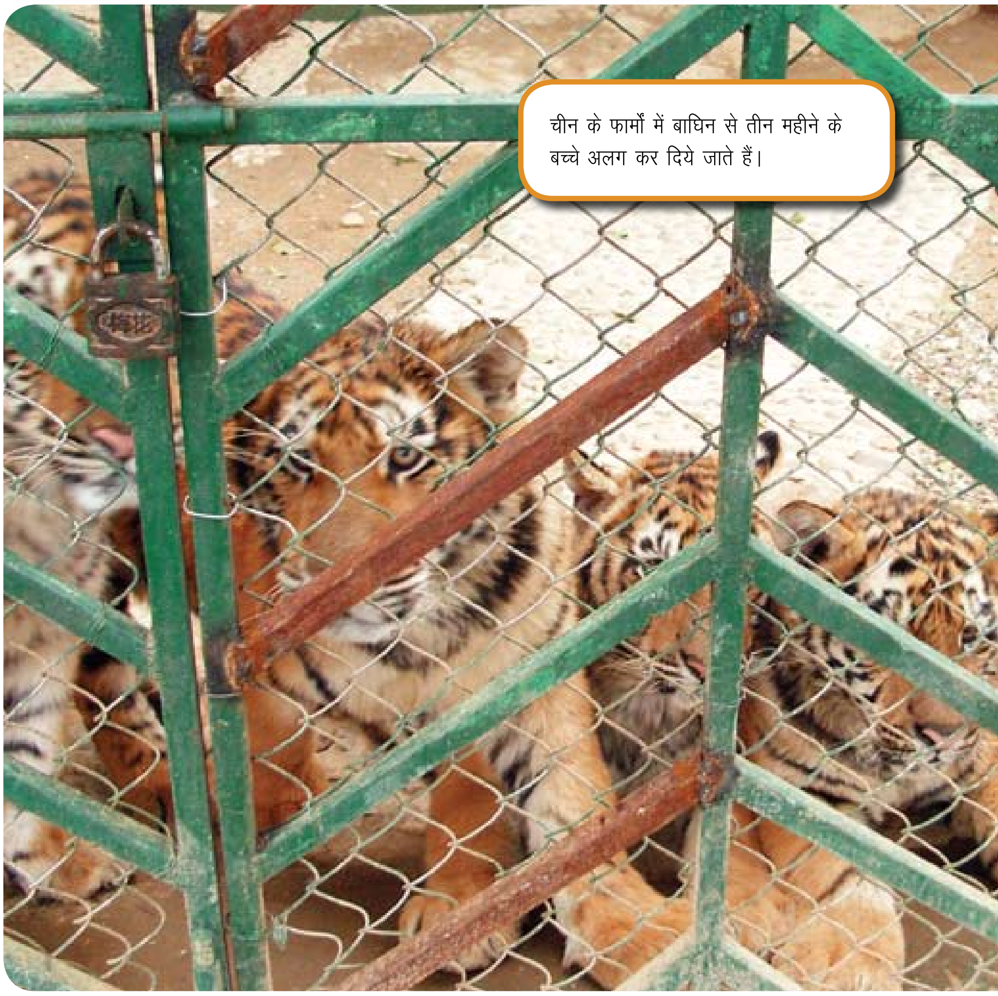

चीन के फार्मों में बाघिन से तीन महीने के बच्चे अलग कर दिये जाते हैं।

© IFAW

बाघ और परम्परागत दवायें

एशिया की कई संस्कृतियों में परम्परागत् मान्यता है कि बाघ के कुछ अंगों में घाव भरने का गुण होता है। चीन में परम्परागत औषधियों से ईलाज करने वाले कुछ बीमारियां का ईलाज करने हेतु अपने पास बाघ की हड्डी रखते हैं। बाघ की जीवन क्षमता पर वैश्विक चिन्ता को ध्यान में रखते हुये इन परम्परागत, ईलाज करने वालों ने ईलाज के लिए बाघ की हड्डी का विकल्प खोज लिया है जबकि मुख्य धारा के चिकित्सक बाघ की हड्डियों से ईलाज करना उपयुक्त नहीं समझते हैं लेकिन बाघ फार्मों के व्यापारी बाघ की हड्डी को शराब में डुबाकर रखने के बाद उपयोग में लाने को स्वास्थ्यवर्द्धक बताते हैं, जो पुष्टि करता है कि बाघ के अंगों में घाव भरने की शक्ति अवश्य होगी।

यद्यपि बाघ फार्म को बढ़ावा देने वाले तर्क देते हैं कि बाघ के अंगों का उपयोग परम्परागत् औषधियों में किया जाता है तथापि परम्परागत् औषध समुदाय का कहना है कि बाघ के अंगों की बजाय उन्हें प्रभावशाली विकल्प मिल गये हैं।

© IFAW

IFAW.org INTERNATIONAL FUND FOR ANIMAL WELFARE

Wildlife Trust of India

पाठ 1

© IFAW/WTI/A. Mookerjee

शिक्षण के मुख्य परिणाम : विद्यार्थी पाठ या वीडीओ से जुड़ेंगे और ग्राफिक आर्गेनाइजर के उपयोग में सोच–विचार करेंगे। साथ ही, बाघ से संबंधित जानकारियां और शब्द ज्ञान को बढ़ायेंगे।

वीडीओ देखना

देखने से पहले/देखने के दौरान

1. विद्यार्थियों को अपने पूर्व ज्ञान से जुड़ने दें और पार्टनर के साथ एक मिनट तक बाघ के बारे में जानकारी पर बात करने दें।
2. वीडीओ को बिना हस्तक्षेप के दिखायें।
3. देखने के बाद विद्यार्थियों से पूछें की उन्होंने बाघ के बारे में क्या नई बातें सीखी।
4. फ्लिप चार्ट पर या ओवरहेड ट्रान्सप्रेंशी पर बड़ा ग्राफिक आर्गेनाइजर बनायें।

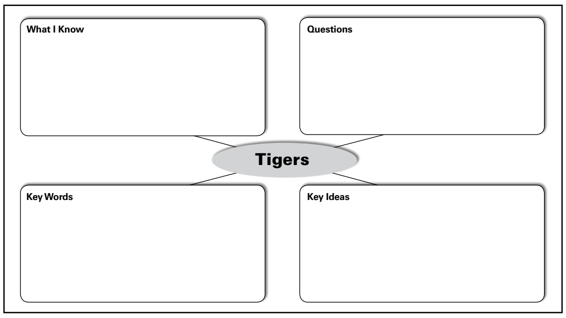

5. प्रत्येक विद्यार्थी से कहें कि निजी उपयोग के लिए ग्राफिक आर्गेना. इजर की कापी बनाये। वीडीओ देखने के बाद उनके ग्राफिक आर्गेना. इजर पर प्रश्न डलवाये। बाघ के बारे में एक या दो मुख्य बातें लिखने को कहें।
6. वीडीओ को दुवारा दिखाने से पहले विद्यार्थियों को मुख्य शब्द और विचारों के बारे में बताये, जिन्हें आप आवश्यक समझते हैं। इन शब्दों को ग्राफिक आर्गेनाइजर में नोट करवायें।
7. विद्यार्थियों को वीडीओ देखने दें और उनके विचार नोट करवायें।

वीडीओ देखने के बाद

8. विद्यार्थियों को छोटे वर्गों में बांट दें। उन्हें ग्राफिक आर्गेनाइजर में नोट किये गये शब्दों के बारे में विचार–विमर्श करने को कहें।
9. वर्गों को एक साथ लाये और बड़े ग्राफिक आर्गेनाइजर या फ्लिप चार्ट या ट्रान्सपरेन्सी में नोट किये गये विचारों पर चर्चा करने दें।
10. ट्रांसपरेन्सी या चार्ट को सेव करें। अन्त में विद्यार्थियों को एक बार वीडीओ पुनः दिखायें ताकि वे निश्चय कर सकें कि उनके विचारों में परिवर्तन तो नहीं हुआ है। ध्यान रखें कि वैकल्पिक वीडीओ क्विज् वर्कशीट www.wti.org.in में उपलब्ध है।

अनुकूलन क्रिया–कलाप

(छोटे पाठकों के लिए)

केवल वर्ग ग्राफिक आर्गेनाइजर का उपयोग करें। जब विद्यार्थी वीडीओ दूसरी बार देख रहे हैं तो खास जगहों पर रुकें और उनसे पूछें कि उन्होंने क्या सीखा है। आवश्यक हो तो उन्हें मुख्य बातें और शब्द–ज्ञान के बारे में बतायें। जब विद्यार्थी विचारों का आदान प्रदान कर रहे हों तो उनके प्रति उत्तरों को ग्राफिक आर्गेनाइजरों में रिकार्ड करें।

विषय संबंधी पृष्ठों को पढ़ें

पढ़ने से पहले

1. ग्राफिक आर्गेनाइजर की बड़ी कापी बनाये और विद्यार्थियों को अपने लिए एक कापी बनाने को कहें।
2. विद्यार्थियों को पाठ की पूर्व समीक्षा करने को कहें और अनुमान लगायें कि वे क्या पढ़ने जा रहे हैं।
3. विषय पढ़ने के तरीके का चयन करें जो विद्यार्थियों के लिए सर्वोत्तम पठन स्तर हो।
   - विषय को जोर–जोर से पढ़ें और विद्यार्थियों को दोहराने दें।
   - मुख्य अवधारणाओं का प्रदर्शन करें और उन्हें क्लास ग्राफिक आर्गेनाइजर में रिकार्ड करें।
   - अच्छे पाठक का कम अच्छे पाठक के साथ जोड़ा बनायें। उन्हें विषय को पढ़ने और चर्चा करने को कहें। जब वे ग्राफिक आर्गेनाइजर में लिख लें तो उन्हें रोक दें।
   - विद्यार्थियों को अकेले पढ़ने को कहें और उनके विचारों को ग्राफिक आर्गेनाइजर में नोट करें।
   - कम उम्र के पाठकों के लिए अनुकूलित पाठ का उपयोग करें और उन्हें स्वयं या पार्टनर के साथ पढ़ने का अवसर दें या ग्रुप आर्गेनाइजर को पूरा होने दें।

पढ़ने के बाद

4. जब पाठ को पढ़ लें तो प्रत्येक पाठ के चर्चा के प्रश्नों का उपयोग करें ताकि विद्यार्थी अपने ज्ञान को समेकित कर सकें।
5. विद्यार्थियों को कक्षा के साथ अपने ग्राफिक नोट्स का मिलान करने को कहें। उनके विचारों को ग्रुप ग्राफिक आर्गेनाइजर पर रिकार्ड करें।

शब्द ज्ञान विकास

1. शब्द पर विशेष ध्यान दें : विद्यार्थयों को अपने ग्राफिक पर विशेष ध्यान देने हेतु शब्दों को विभिन्न रगों में लिखें, ताकि वे अपने पाट. ’नर के साथ चर्चा कर सकें।
2. शब्द विशेषज्ञः किसी शब्द के बारे में विद्यार्थियों का जोड़ा बनायें। उन्हें फ्लिपचार्ट रिकार्ड में प्रयुक्त शब्द को कक्षा में या ओवरहेड ट्रांसपरेन्सी में पढ़ने को कहें।

शब्द : ....

शब्द का विवरण : ....

....

शब्द की तस्वीर खींचे : ....

क्रिया–कलाप का विस्तार

(उच्च स्तर के पाठकों के लिए)

विभिन्न वर्गों के अलग–अलग पृष्ठों को एकत्र करें। प्रत्येक वर्ग को पृष्ठों को पढ़ने और चर्चा करने को कहें और विचारों को रिकार्ड आर्गेनाइजर में रिकार्ड करें। विद्यार्थियों को विषय के बारे में अतिरिक्त सूचना एकत्र करने को कहें। जो पुस्तकालय या ऑनलाईन उपलब्ध है। प्रत्येक वर्ग को कक्षा के साथ अपने विचारों को समन्वित करने को कहें।

पाठ 2

© Save The Tiger Fund

सीखने का मुख्य परिणाम : विद्यार्थी खाद्य तंत्र के बारे में जान सकेंगे।

प्रश्नों पर चर्चा करें

(पृष्ठ 3–4)

- बाघ किस प्रकार वनीय वातावरण के लिए उपयुक्त है ?
- बाघ को बन्दीकरण की बजाय जंगल में बचाना क्यों महत्वपूर्ण है ?
- लोग जंगली बाघों को पृष्ठ चार में बताये गये खतरों में से किन खतरों को कम कर सकते हैं ?

शब्द ज्ञान

पारीतंत्र
संकटापन
विलुप्त
खाद्यतंत्र
वासस्थल विखण्डन
मूल प्रजातियां
चोर शिकार

बाघ के खाद्य तंत्र की रचना

पेज 3–4 को पढ़ने के बाद

1. मुख्य शब्द ज्ञान को पुनः याद करें। निम्नलिखित पर विचार करें:
   पारितंत्र, पादप और प्राणियों और निर्जीव घटकों के समुदायों का अन्तः संबंध है, जिसमें वे रहते हैं। खाद्यतंत्र से पता चलता है कि किसी पारिपद्धति के जीवित प्रणियों में उर्जा का संचार किस प्रकार होता है। क्योंकि वे एक दूसरे का भक्षण करते हैं। सामान्यतः ऊर्जा विघटित होने के लिए उत्पादक से उपभोक्ता की ओर जाती है। उदाहरण के लिए पादप सूर्य से ऊर्जा प्राप्त करते हैं और हिरण पादपों को खाकर ऊर्जा प्राप्त करते हैं। भेड़िये, हिरण को खाकर ऊर्जा प्राप्त करते हैं, जबकि उल्लू चूहों को खाकर ऊर्जा प्राप्त करते हैं। जब भेड़िये और उल्लू मर जाते हैं तो कीट, फंगी तथा स्केवेंजर्स अपने पोषकों को मृदा में समाहित करते हैं जिसका उपयोग पादप द्वारा किया जाता है।
2. विद्यार्थियों को बतायें कि वे पाठ से सूचना प्राप्त करते हुए बंगाल टाईगर्स के लिए भारत में खाद्यतंत्र बनायें (भार में सर्वाधिक सामान्य वनीय बाघ)। भिन्न योग्यता वाले विद्यार्थियों का जोड़ा बनाये और प्रत्येक जोड़े को सूचीकार्ड दें। उन्हें निम्नलिखित में से प्रत्येक जानवर के लिए एक कार्ड बनाने को कहें : बाघ, हिरण, जगली सुअर, पक्षी, बंदर, मछली, हाथी, गैंडा, भालू, चीता, सरीसृप, कीट तथा कीटाणु ।
3. विषय में कहा गया है कि बाघ के वासस्थल में पौधों की घनी वृद्धि होनी चाहिए। विद्यार्थियों को पादप खाद्य के बारे में लिखने को कहें जो भारत में बाघ की गुफा के पास पाया जाता है जैसे घास जिसे हिरन, सुअर, हाथी और गैंडे आदि खाते हैं। फूल, फल, बेरी, नट्स (जिन्हें पक्षी, सुअर और बंदर आदि खाते हैं) तथा वृक्षों की पत्तियां जिन्हें आधिकांशतः हाथी खाते हैं।
4. प्रत्येक जोड़े को पादप की नीचली ओर तथा बाघ के ऊपरी ओर पर चार्ट पेपर की बड़ी शीट रखने को कहें। उन्हें, एक–दूसरे को खाने वाले आर्गेनिज्म की ओर पेंसिल से तीर का चिह्न बनाने को कहें। विद्यार्थयों को बतायें कि तीर का चिह्न ऊर्जा के बहाव को बता रहा है। (बहाव जटिल होते हैः अधिकांश बहाव बाघ की ओर जाते हैं) विद्यार्थियों की प्रगति को मॉनीटर करें।
5. जब विद्यार्थी खाद्यतंत्र से संतुष्ट हो जायें तो उन्हें खाद्य तंत्र पर पोस्टर बनाने को कहें। खाद्य तंत्र के बारे में पूरे वर्ग को बतायें। किसी उपयुक्त संयोजन के लिए प्रस्तुतकर्ता की प्रशंसा करनी चाहिए।
6. विद्यार्थियों से पूछें कि बाघ के खाद्य तंत्र को बचाने के लिए क्या करना चाहिए। ध्यान दिलायें कि बाघ उन जानवरों का भक्षण करता है जो पादपों को खाते हैं। उन्हें समझायें कि बाघ की रक्षा करना, वासस्थलों की रक्षा करना है, जिससे अन्य जीवों की रक्षा भी होगी।
7. 'मानव" नाम से एक सूची पत्र बनायें। विद्यार्थियों से पूछें कि मानव, बाघ के खाद्य तंत्र को किस प्रकार प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए वासस्थलों का विखंडन, खाद्य के लिए प्रतिस्पर्द्धा या बाघ का शिकार करना।
8. वद्यार्थियों से कहें कि उन्होंने इस क्रिया–कलाप से जो सीखा है उसे लिखें। उन्हें प्रभावशाली ढंग से लिखने की प्रेरणा दें, जैसे एक बात को लिखना और उदाहरण देकर उसकी पुष्टि करना।

क्रिया कलापों का अनुकूलन

(छोटी उम्र के पाठकों के लिए)

- जहां विद्यार्थी रहते हैं वहां की पारिपद्धति के खाद्यतंत्र पर चर्चा करें। किसी शहरी क्षेत्र में भी पार्कों में खाद्य तंत्र पर विचार कर सकते हैं जैसे घास और किटों का संयोजन। छोटे पक्षियों, कीटों और बाज आदि का संयोजन। इस स्तर के लिए ऊर्जा का बहाव छोड़ दें क्योंकि वह जटिल है।
- खाद्य तंत्र बनाने से पहले बाघ के अनुकूलन पर विचार करें। शुरू में पेज तीन के आरेख का उपयोग करें। विद्यार्थियों को उन बातों पर रिपोर्ट देने को कहें जो बाघ के वातावरण को उपयुक्त लगती है।

अधिक सूचना के लिए

बाघ संरक्षण हेतु क्रिया कलाप

http://www.wti.org.in/publications/action-tiger.pdf

क्रिया कलापों का विस्तार

(उच्च योग्यता के पाठकों के लिए)

- विद्यार्थियों को खाद्यतंत्र के बारे में खीचे गये तीर के चिह्नों के अनुसार वाक्य बनाने तथा एक दूसरे की खपत करने वाले ओरगेनिज्म के आपसी संबंध के बारे में लिखने को कहें। (इसके लिए अनुसंधान की आवश्यकता पड़ सकती है।)
- विद्यार्थियों को अनुसंधान करने और पेज 3 के अनुसार कुछ अन्य प्राणियों के पर्यावरणीय अनुकूलन पर आरेख बनाने को कहें। (उदाहरण के लिए ध्रुवीय भालू का फर मोटा, ठण्डे आर्कटिक के लिए उपयुक्त होता है। चौड़े पैरों से बर्फ फैलाना सुविधाजनक होता है)
- विद्यार्थियों को वासस्थल विखंडन (पेज 4) की अवधारणा पर अनुसंधान करने को कहें और लिखने को कहें कि किस प्रकार सड़कें बनने और वन्यजीव कॉरीडोर कट जाने से जीवों के वासस्थल सिकुड़ गये हैं।

IFAW.org INTERNATIONAL FUND FOR ANIMAL WELFARE
Wildlife Trust of India

पाठ 3

© IFAW/W. Poole

मुख्य शिक्षण परिणाम : विद्यार्थी बाघ के लिए मुख्य खतरों को समझेंगे, विषयगत सूचना स्थापित करेंगे, मुख्य विचारों को चिहिनत करेंगे, विवरणों को समझेंगे और समस्याओं को समझेंगे तथा उपाय सुझायेंगे।

शब्द ज्ञान

कालाबाजार,
संरक्षण,
कानून लागू करना,
बाघ रिजर्व,
तस्करी

वाद–विवाद प्रश्न

(पेज 5–6)

- लेखक ने पेज 5 में क्यों लिखा है ''जो बाघ के लिए अच्छा है वह प्रायः सभी के लिए अच्छा है।''
- बाघ के अंगों की उच्च मांग के कारण जंगली बाघों का चोर–शिकार क्यों बढ़ जाता है।
- जंगली बाघ को बचाने के लिए विभिन्न देशों को एक दूसरे के साथ समन्वय क्यों करना चाहिए ?

खतरों की पहचान और निवारण

पेज 5 से 6 तक पढ़ने के बाद।

1. पेज 4 में ''बाघ खतरे में '' की समीक्षा करें । विद्यार्थियों को बाघ पर खतरों के बारे में समझायें (मानव आवादी बढ़ने के कारण वासस्थलों का ह्रास, अधिक शिकार के कारण बाघ की शिकार प्रजातियों में कमी, बाघ के अंगों को बेचने के लिए उनका चोर–शिकार किया जाना)।
2. किसी फिलिप चार्ट या ओवरहेड ट्रान्सपरेन्सी पर नीचे दिये चार्ट की तरह पूरे ग्रुप का चार्ट तैयार करें।
3. विद्यार्थियों को पेज 5–6 की समीक्षा करने को कहें। विद्यार्थियों का जोड़ा बनाकर उन्हें प्रत्येक देश में जंगली बाघ को हो रहे मुख्य खतरों को रिकार्ड करने को कहें। उनके निष्कर्ष में क्या वाक्य आते हैं और लोग खतरों के बारे में क्या कर रहे हैं। उन्हें कैप्शन्स पढ़ने को प्रोत्साहित करें और बाघ पर हो रहे खतरों पर लोगों द्वारा किये जा रहे उपाय लिखवायें। जोड़े बनाकर विद्यार्थयों को विचार–विमर्श करने को कहें। जो विद्यार्थी आगे आना चाहते हैं वे चार्ट के अन्तिम कॉलम पर बोल सकते हैं लेकिन जोड़े बनाकर काम करते समय ऐसा ठीक नहीं है।
4. विद्यार्थियों को बड़े वर्गों में वापस बुलायें। कोई स्वेच्छा से किसी देश को ध्यान में रखकर बाघ पर आये खतरों पर बोलना चाहें तो अवसर दें। उन्हें विषय से संबंधित पाठ पढ़ने को प्रोत्साहित करें। ''खतरे'' सहायता के लिए विवरण'' और लोग क्या कर रहे हैं। पर पूरे वर्ग के नोट्स लें।
5. पूरे वर्ग के साथ विचार–विमार्श करें कि लोग जंगली बाघ को बचाने हेतु क्या उपाय कर रहे हैं। विद्यार्थियों को सोचने का अवसर दें कि इस दिशा में व्यक्ति, सरकारें तथा संरक्षण वर्ग क्या कर सकते हैं। प्रति उत्तरों को ग्रुप चार्ट में लिखें। विद्यार्थियों से पूछें कि वे स्वयं क्या कर सकते हैं। पाठ को पूरा करते हुये या होमवर्क के रूप में विद्यार्थियों से ''बाघ के बिना विश्व'' विषय पर निबन्ध , कविता, कहानी, आर्टपीस, गीत या अन्य रचनात्मक विचार लिखने को कहें।

	जंगली बाघ-खतरे और प्रति उत्तर			
देश	खतरे	संबंधित विवरण	खतरों से निपटने के लिए लोग क्या कर रहे हैं	इस दिशा में लोग और क्या–क्या कर सकते हैं
भारत				
चीन				
अन्य				

क्रियाकलाप अनुकूलन

(छोटी उम्र के विद्यार्थियों के लिए)

- कम उम्र के पाठक आपने चार्ट में सरल नोट्स रिकार्ड कर सकते हैं, जैसे सहायक विवरण देने की बजाय पेज न0 लिख दें। साथी बनाने की बजाय पूरी क्लास के साथ पाठ पर विचार–विमर्श किया जा सकता है।
- बाघ पर खतरे का किसी स्थानीय समस्या पर विचार करें, जैसे वासस्थलों में कमी, विद्यार्थियों से पूछें कि क्या वे जानते हैं कि वासस्थलों की कमी से वन्यजीव किस प्रकार खतरे में पड़ रहे हैं। आवश्यक हो तो उन्हें उदाहरण दें। विचार–विमर्श करें कि इस दिशा में लोग क्या उपाय कर रहे हैं और क्या कर सकते हैं।
- जंगली बाघ पर खतरों पर अधिक ध्यान देने की बजाय पाठ में दिये गये सकारात्मक क्रिया–कलापों पर ध्यान केन्द्रित करें (बिना बाघ का विश्व)। रचनात्मक प्रतिउत्तर के लिए विद्यार्थियों को अधिक समय दें।

क्रिया–कलाप विस्तार

(उच्च श्रेणी के पाठकों के लिए)

- विद्यार्थयों को ''खतरे और उपाय'' चार्ट पर अकेले काम करने को कहें। जिन खतरों को वे समझते हैं उन पर कुछ वाक्य लिखने को कहें।
- विद्यार्थियों को किसी एक देश के संदर्भ में बाघ पर खतरों पर अनुसंधान करने को कहें, या किसी ऐसे देश के बारे में विचार रखने को कहें जहां बाघ होते हैं किन्तु उनका जिक्र इस पाठ में नहीं आया है, जैसे मलेशिया।

अधिक जानकारी के लिए

IFAW: www.ifaw.org

World Bank Report: Building a Future for Wild Tigers: http://www.worldbank.org/tigers

पाठ 4

© IFAW/WTI/A. Mookerjee

मुख्य शिक्षण परिणाम : वाद–विवाद में विद्यार्थी विषय पर आधारित अपने विचार रखेंगे।

शब्द ज्ञान

रूग्णता

सम्मेलन

विधान

विरोध

वाद–विवाद के प्रश्न

पृष्ठ 11

- इस लेख में लेखक का कहना है कि लोगों ने एक सभा में तर्क रखे। दोनों तरफ के तर्कों के आधार पर क्या परिणाम निकले ?
- क्या आप जानते हैं कि चीन की परम्परागत औषधि समुदाय ने आसानी से परम्परागत दवाओं का प्रयोग छोड़ दिया ? क्यों और क्यों नहीं।
- लेख के अन्त में लेखक क्यों सोचता है कि दोनों पक्ष इस संबंध में एक राय हो जायेंगे।

बाघ फार्मों पर वाद–विवाद

पेज 11 को पढ़ने से पहले

1. विद्यार्थियों को समाचार लेख के बारे में बतायें। स्पष्ट कर दें कि यह वास्तविक समाचार लेख नहीं है, वल्कि चीन के बाघ फार्मिंग की वास्तविक समाचारों की वास्तविक घटनाओं पर आधारित है। चीन में बाघ फार्मिंग के लेख विद्यार्थियों से पूछें कि उन्होंने क्या सीखा ? (पृष्ठ 6) यदि उन्होंने पूर्व वर्णित विषयों पर ग्राफिक आर्गेनाइजर विकसित किया है तो उसकी समीक्षा करें।
2. लेख में आये फोटोग्राफ कैप्संस तथा हेडिंग पर विचार विमर्श करें और विद्यार्थयों से अनुमान लगाने को कहें कि अगला लेख किस संबंध में होगा ? समाचार लेख के पहले पैराग्राफ पर ध्यान दिलायें क्योंकि यह अत्यन्त महत्वपूर्ण सूचनायें प्रस्तुत करता है, ताकि विद्यार्थी पढ़ते समय इस पर विशेष ध्यान दें। पढ़ने के उद्येश्य तय करें: विद्यार्थियों को बतायें कि बाघ फार्मिंग बहस में वे जो कुछ कहें उसके बारे में पहले सोच–समझ लें।
3. विद्यार्थियों से कहें कि वे लेख को अकेले या एक दूसरे के साथ मिलकर पढ़ें। आप भी पूरी कक्षा के साथ इस लेख को पढ़ सकते हैं।

पेज 11 को पढ़ने के बाद

4. लेख के अन्तिम पैरा को क्लास के साथ जोर–जोर से पढ़े। विद्यार्थियों को बतायें कि आगामी सम्मेलन में उन्हें इस संबंध में भूमिका निभानी है और लेख के प्रतिनिधि विचारों पर बहस करनी है। क्लास को दो भागों में बांट दें। एक वर्ग में वे विद्यार्थी होंगे जो बाघ फार्मिंग के पक्ष में बोलेंगे तथा दूसरे वर्ग में वे विद्यार्थी आयेंगे जो बाघ फार्मिंग के विरोध में बोलेंगे। माध्यमिक विचारों वाले विद्यार्थियों और रिपोटर्स को भी स्थान दें, और कहें कि पूर्णतः सहमत न होने की दशा में विद्यार्थियों को अपना दृष्टिकोण रखना होगा।
5. पक्ष और विपक्ष में तैयार रहने के लिए विद्यार्थियों से कहें कि लेख को एक बार फिर से पढ़ें। एक सदस्य को नोटकर्ता के रूप में चुन लें जो तर्कों के लिए दो कॉलम का चार्ट बनायेगा। मॉनीटर तथा सहायक वर्ग, बहस के मुख्य मुद्दों को चिह्नित करेंगे। इस बात पर ध्यान दें कि मुख्य पक्ष रखने वाले अच्छे वक्ता हो ताकि दूसरा वर्ग भी अच्छी तरह से अपनी बात रख सके। यदि संभव हो तो दोनों वर्गों को अपने तर्क रखने की तैयारी करने का समय दें। रिपोर्टकर्ता तथा समन्वयकर्ताओं को बतायें कि उन्हें दोनों तरफ के विचारों की जानकारी होनी चाहिए।
6. अनुवर्ती सम्मेलन प्रारंभ करें जिसमें पक्ष और विपक्ष अपने अपने तर्क रखेंगे। टीमें अपनी ओर से बोलने वाले सदस्यों का नाम दे सकती है। प्रत्येक सदस्य को 30 सेकिन्ड का समय दिया जाय। मध्यस्थ इस बात का ध्यान रखें कि वाद–विवाद शान्ति और गरिमा के साथ संपन्न हो। रिपोटर्स से कहें कि मुख्य विन्दुओं को नोट करं और टी वी में संतुलित रिपोर्ट दें। यह न लिखें कि कौन जीता कौन हारा।
7. वाद–विवाद और रिपोर्टिंग के पश्चात् परी क्लास को एकत्र करके पूछें कि उन्होंने पक्ष और विपक्ष के विचारों से क्या सीखा ? क्या उनकी राय बदल गई ? वे अन्त में क्या सोचते हैं। पूरी क्लास के विचारों को जानने के लिए आप गुप्त मतदान भी करा सकते हैं।

क्रिया–कलापों का अनुकूलन

(छोटी उम्र के पाठकों के लिए)

- वाद–विवाद के विकल्प के रूप में छोटी उम्र के पाठकां को, वैकल्पिक बिग कैट कम्पेरीजन वर्कशीट्स पूरा करने को कहें, जिन्हें आप कम्पेनियन डी वी डी में मुद्रित करवा सकें या www.ifaw.org एवं www.wti.org.in आन लाईन में डाल सकें।

अधिक जानकारी के लिए

IFAW Special Report: www.ifaw.org

Irish Times: http://www.irishtimes.com/newspaper/weekend/2010/0320/1224266695473.html

National Public Radio: http://www.npr.org/templates/story/story.php?storyId=6546127

क्रिया–कलापों का विस्तार

उच्च श्रेणी के श्रोताओं के लिए

- विद्यार्थियों से कहें कि वे अपनी ओर से समाचार लेख लिखें जो मूल लेख तथा सम्मेलन में किये गये विचार–विमर्श पर आधारित हो। उन्हें बतायें कि वे लेख के पहले पैराग्राफ में सामान्य सूचनायें दें और फिर विवरण दें।
- विद्यार्थियों को अकेले काम करने हेतु प्रोत्साहित करें या वाद–विवाद का हल खोजने के लिए मसौदा बनायें।
- जो विद्यार्थी वास्तव में बाघ फार्मिंग में लगे लोगों और वर्गों को पत्र लिखना चाहते हैं उन्हें प्रोत्साहित करें। उन्हें अपना पत्र तथ्यपरक् बनाने हेतु सहायता दें।

यह लेख वास्तविक घटनाओं एवं समस्याओं पर आधारित है तथापि इसमें वर्णित सम्मेलन और पात्र काल्पनिक हैं।

उत्तरी भारत

डेली गजेट

© IFAW/Sinopix

चीन के बाघ फार्मों में छोटे पिंजरों की कतारें

चीन के बाघ फार्मों पर बाद–विवाद

विरोधाभासी सुविधा पर सम्मेलन सत्र में तीखी बहस

नई दिल्ली भारत – हाल ही में नई दिल्ली (भारत) में सम्पन्न अखिल एशिया संरक्षण सम्मेलन में, बाघ–फार्म, विचार–विमर्श का केन्द्र विन्दु रहे। बाघ फार्मों पर निवेश करने वालों तथा संरक्षक वर्ग ने अपने विचार रखे। निवेशकों को आशा थी कि बाघ फार्म के मामले में उन्हें समर्थन मिलेगा, किन्तु उन्हें कई आलोचकों के तीखे विरोध का सामना करना पड़ा जो बाघ के अंगों की बिक्री के विरुद्ध वैधानिक पहलुओं को सुदृढ़ करना चाहते थे।

जंगलों में केवल 3,000 बाघ ही शेष हैं जो विश्व में खतरे में पड़े जीवों में सर्वोपरी हैं किन्तु चीन में 6,000 बाघ फार्मों में बन्दीकृत स्थितियों में है। चीन में इन फार्मों पर 1993 में प्रतिबंध लगा दिया गया था फिर भी उत्पादक हताश नहीं हुये। वे बड़े लाभ की प्रत्याशा में चीन सरकार पर इस प्रतिबंध को हटाने का दबाव डाल रहे हैं। वे फिलहाल, पर्यटकों को आकर्षित करने के नाम पर इन फार्मों का संचालन कर रहे हैं।

चीन में एक समय बाघ की हड्डियों और अन्य अंगों का उपयोग परम्परागत चीनी दवाओं में किया जाता था जिसे टी सी एम कहते हैं। पेंग ऊ नामक फार्म निवेशक ने कहा ''बाघ की हड्डी के उत्पाद मानव स्वास्थ्य के लिए लाभदायी हैं'' कई शताब्दियों से इस उत्पाद से लोगों को दर्द से छुटकारा दिलाया गया है।

फिर भी, टी सी एम समुदाय ने वैकल्पिक दवायें विकसित कर ली हैं जिनमें बाघ के अंगों की आवश्यकता नहीं पड़ती हैं। विश्व टी सी एम संघ के विशेषज्ञ मिंग लाई हने कहा ''परम्परागत चीनी दवाओं की प्रकृति के प्रति गहरी इज्जत है, बाघ–फर्मिंग, हमारी हर बात के खिलाफ है, बाघ की हड्डियों को दवाओं के उपयोग में लाने से विश्व भर में टीसीएम की प्रतिष्ठा गिर जोयगी।

एक आकलन के अनुसार प्रत्येक वर्ष बाघ फार्मों में 800 से 1000 बाघ जन्म लेते हैं। फार्म मालिकों का कहना है कि वे विश्व में बाघ के विलुप्त होने से बचाने का प्रयास कर रहे हैं। ''ये बाघ हमारी वजह से बचे हैं'', यह कहना है फार्म मालिक हो–जिन का।

किन्तु, दीपक गुप्ता, भारत के वन्यजीव विशेषज्ञ ने नोट किया कि ''ये बाघ लगभग पालतू हैं इसलिए उनके पास जंगल में जीवन–यापन करने योग्य कौशल नहीं हो सकता ।

© IFAW

चीन के बाघ फार्म में नशे की हालत में बाघ

एशियाई संरक्षणकर्ताओं का विश्वास है कि चीन के बाघ फार्मों से बाघों के लिए जोखिम बढ़ रहा है। चैट खोर्स्के, सुदूर पूरब, रूस के चोर शिकाररोधी लीडर ने कहा कि बाघ के बंदी प्रजनन के कारण चोर–शिकार को प्रोत्साहन मिल रहा है। खोर्स्के ने कहा ''बाघ के अंगों की मांग के लिए उसे फार्म में पालने की बजाय जंगल में शूट करना बहुत सस्ता है। एक मात्र उपाय है, बाघ के अंगों की मांग को समाप्त कर देना।

नई दिल्ली के सत्र में दो विरोध वर्गों को एकमत करने का प्रयास किया गया किन्तु यह बहस तब तक जारी रहेगी जब तक बाघ फार्म रहेंगे और बाघ के अंगों की मांग रहेगी।

वर्कशीट 1: पठन/ गाईड देखना

नाम ______________________________ दिनांक ______________________

दिशा निर्देश : जैसे ही आप वीडीओ देखते हैं और बाघों के बारे में सूचनायें सूनते या पढ़ते हैं, उन मुख्य बातों को नोट कर लें जिन्हें आप याद रखना चाहते हैं। मुख्य शब्द ज्ञान की सूची बना लें और अपने प्रश्नों को लिख ले।

जो मैं जानता हूँ

प्रश्न

शब्द ज्ञान

शब्द

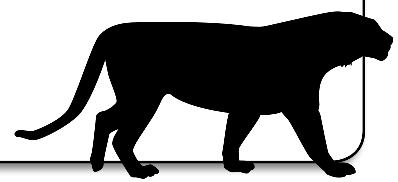

वर्कशीट 2 : खतरे और उपाय चार्ट

नाम ________________________ दिनांक ________________________

दिशा निर्देश : पेज 5 से शुरू करके प्रत्येक पेज के मुख्य संदर्भित देश को बांई ओर के कालम में लिख लें।
प्रत्येक देश में बाघ पर आये खतरों का निर्धारण करें। खतरों और वाक्यों को उस पाठ से लिखें जिनमें खतरों के बारे में बताया गया है।
इसके बाद लिखें कि इन खतरों से निपटने हेतु लोग क्या कर रहे हैं और क्या अधिक किया जा सकता है।

	वन्य बाघें – खतरे और उपाय			
देश	खतरे	सहायक विवरण	खतरों के बारे में लोग क्या कर रहे हैं	खतरों से निपटने के लिए हम और क्या कर सकते हैं।

विश्व में अन्य बड़ी बिल्लियां

बिल्ली का नाम	संरक्षण स्थिति नोट्स*
शेर (पैन्थेरालिओ) 	• संवेदनशील: अफ्रीका में 10,000 से 23,000 शेर आकलित किये गये है। • अफ्रीका के अधिकांश भागों में पाये जाते थे अब केवल सहारा रेगिस्तान और दक्षिणी तथा पूर्वी अफ्रीका में ही पाये जाते हैं। • ऐतिहासिक रूप से अफ्रीका में पाये जाते हैं और ग्रीस के मध्यपूर्व होते हुये उत्तरी भारत में पहुँचे। • एशियाई शेर, एक उपप्रजाति है जो भयंकर रूप से खतरे में है: भारत में 400 से भी कम शेर हैं।
जगुवार (चंकेरा ओंका) 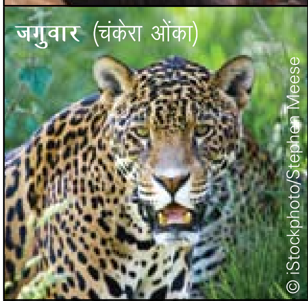 	• करीब–करीब खतरे में: दक्षिणी अमेरिका, मध्य अमेरिका तथा संयुक्त राज्य के दक्षिण पश्चिम में हैं, किन्तु संख्या का पता नहीं है। • दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी बिल्ली: एक समय पूरे दक्षिणी तथा मध्य अमेकिरा में विचरण करता था। • वर्तमान में दक्षिण और मध्य अमेरिका के दूरवर्ती क्षेत्रों में अच्छी संख्या में पाया जाता है। खासकर अमेजन की खाड़ी, मेक्सीको यू एस सीमा पर भी कभी कभी देखा जा सकता है।
लैपर्ड (पंथेरा पारडस) 	• खतरे के करीब : अफ्रीका और एशिया में अज्ञात संख्या में विद्यमान है। • कोई अन्य बिल्ली इतने विस्तृत क्षेत्र में नहीं पाई जाती है। इसकी शिकार परिधि भी सब बिल्लियों से अधिक है। किन्तु कई क्षेत्रों में यह खतरे में हैं। • एक समय सहारा रेगिस्तान को छोड़कर शेष अफ्रीका में पाया जाता था। • अब ऐटलस पहाड़ियों सहित उत्तरी अफ्रीका के अधिकांश भागों से गायब है। पश्चिमी अफ्रीका में कहीं–कहीं पाया जाता है। • दक्षिणी पूर्वी एशिया और भारत में विद्यमान किन्तु शिकार और वासस्थल अपक्षय के कारण खतरे में। • एक समय मध्यपूर्व में कई उपप्रजातियां थी जो अब लुप्तप्राय: जो चुकी हैं। कोरियाई लैपर्ड, जिसे आमूर लैपर्ड भी कहते हैं, अब जंगलों में यदाकदा पाया जाता है।
  चीता (एसीनोक जुबाटस)	• संवेदनशील : आकलन के अनुसार अफ्रीका और ईरान में 7,500से 10,000 के करीब चीते मौजूद हैं। • अपनी ऐतिहासिक परिधि से विलुप्त। फिर भी अफ्रीका वनों में यत्रतत्र विद्यमान। (अफ्रीकी परिधि से 76 प्रतिशत विलुप्त) • एशिया में तमाम बड़े ऐतिहासिक रेंज से लुप्त जबकि पिछली सदी तक भूमध्यरेखीय तथा अरेवियन प्रायद्वीप से कैस्पियन और अरल समुद्र मार्गों में तथा भारत में पश्चिम से मध्य भारत तक पाया जाता था। • एशियाई चीता अब केवल ईरान में मौजूद है।
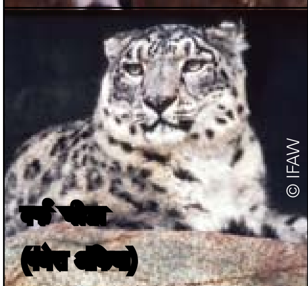 **बर्फ चीता** **([illegible])**	• खतरे में : विश्व के जंगलों में केवल 4,000–6,500 के करीब बर्फ चीते हैं। • इसे बड़े और कम धनत्व वाले वासस्थलों की जरूरत होती है, • विशेषज्ञों का कहना है कि पिछली दो पीढ़ियों (16 साल) में बर्फ चीते की आवादी कम से कम 20 प्रतिशत कम हो गई है। • मुख्य खतरे हैं : गैरकानूनी व्यापार के लिए अबैध शिकर तथा स्थानीय लोगों के साथ टकराव। • बर्फ चीता बाघ का नजदीकी है।
पहाड़ी शेर या प्यूमा (प्यूमा कंकोलर) 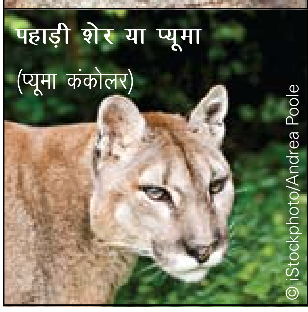 	• खतरे में नहीं : उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी मध्य तथा दक्षिणी अमेरिका में करीब 30,000 की संख्या में विद्यमान है। • पश्चिमी गोलार्द्ध भूमि आधारित स्तनपाइयों में सबसे बड़ा जीव है। • यूरोप में स्थापित होने के 200 वर्षों के भतर उत्तरी अमेकिरा के पूर्वी अर्द्धभाग से उन्मूलित। • फ्लोरिडा में खतरे में पड़ी आवादी विद्यमान है। रिकार्ड के अनुसार प्यूमा की आवादी उत्तर पूर्वी कनाडा और पूर्वी यू एस में बढ़ रही है। • फ्लोरिडा पंथेर इसकी एक उपप्रजाति है जो बुरी तरह से खतरे में है। इसकी संख्या केवल 100 के करीब रह गयी है।

*संरक्षण स्थिति, आई यू सी एन की लाल सूची (खतरे में पड़ी प्रजातियां) से ली गई है।
देखिए www.iucnredlist.org

IFAW.org INTERNATIONAL FUND FOR ANIMAL WELFARE

Wildlife Trust of India

वर्कशीट 3 : बड़ी बिल्लियों की तुलना

नाम ______________________________ दिनांक ______________________________

IFAW.org | Wildlife Trust of India

दिशा निर्देश : " विश्व की बड़ी बिल्लियों" चार्ट की समीक्षा करें। आप नि दो बिल्लियों की तुलना करना चाहते हैं उनका चयन करें। अपनी सोच को दिशा देने के लिए नीचे दिये गये प्रश्नों का उपयोग करें। (आप तुलना के लिए अन्य बातें भी सोच सकते हैं) बिल्लियों की समानता को बाक्स में एक दूसरे के सामने लिखे विसंगतियों को वाक्स के वाह्य भाग में सूचीवद्ध करें।

- *इनमें से प्रत्येक बिल्ली कहां पाई जाती है।*
- *इनमें से प्रत्येक बिल्ली देखने में कैसी लगती है ?*
- *इनमें से प्रत्येक बिल्ली की संरक्षण स्थिति क्या है।*

बिल्ली #1: ______________________________

दोनों बिल्लियां

बिल्ली #2: ______________________________

शब्दावली

बीमारी : बीमारी, चोट या कमजोर स्वास्थ्य के अन्य चिह्न

कालाबाजार : अवैधानिक क्रय–विक्रय की पद्धति

सम्मेलन : बैठक सम्मेलन

संरक्षण : प्राकृतिक दाय का रक्षण तथा उचित उपयोजन

पारिपद्धति : पादपों, प्राणियों तथा अजीवी घटकों का आपसी संबंध

संकटापन्न : पूर्णतः नष्ट हो जाने की आशंका

विलुप्त : जो अब पृथ्वी में नहीं रह गये हैं।

खाद्यतंत्र : यह रेखचित्र दिखाता है कि किस प्रकार से शक्ति का आदान–प्रदान जीवित वस्तुओं और पर्यावरण में होता है, जिसके कारण जीवों को एक–दूसरे को खाना पड़ता है

वासस्थल विखंडन : यह ऐसी प्रक्रिया है जिससे वासस्थल छोटे–छोटे टूकड़ों में बँट जाती है, प्रायः यह इस कारण से होता है कि मनुष्य सड़कें घर से खलिहान बनाते हैं और वनों से वृक्ष काटते हैं

मूल प्रजातियां : वह होती हैं जो पर्यावरण के संरचना और संचालन को प्रभावित करती है

कानून लागू करना : कार्यकलाप जो विश्वास दिलाते हैं कि कानून का पालन किया जा रहा है

मतभिन्नता : किसी कार्यकलाप को वैध बनाने की विधी

विरूद्ध होना : विसंगत हो जाना, विरोध में तर्क करना, एक अलग नजरिया या अभ्यास

चोर–शिकार : अवैध रूप से मारना

तस्करी : अवैध रूप से समानों को सीमा से पार लाना, ले जाना

बाघ रिजर्व : जिन क्षेत्रों में बाघों को रक्षित किया जाता है।